Regarding Flood Situation in the country

श्री आनंद भदौरिया (धौरहरा) : अधिष्ठाता महोदया**,** आपने मुझे अपनी बात रखने का अवसर दिया है**,** उसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं । मैं आपका ध्यान अपने लोक सभा क्षेत्र धौरहरा के विधान सभा क्षेत्र हरगांव और धौरहरा में आई हुई बाढ़ की तबाही की ओर आकृष्ट करना चाहता हूं ।

महोदया, महोना और सुहेली नदियाँ, जो नेपाल में स्थित हैं, नेपाल सरकार का जब मन होता है तब ढ़ाई-ढ़ाई लाख क्यूसेक पानी छोड़ देती है, जिससे पीलीभीत से लेकर पूर्वांचल तक और बिहार होते हुए इससे बाढ़ की तबाही होती है । अच्छा लगा कि बाढ़ में बिहार के लिए चिन्ता व्यक्त की गई, वहाँ के लिए बजट दिया गया, लेकिन बिना नेपाल सरकार के साथ बैठे हुए, बिना पानी का प्रबंधन किये बाढ़ से निपटने का इंतजाम नहीं हो सकता है ।

महोदया, मैं आपसे कहना चाहता हूँ कि सरकार को नेपाल सरकार के साथ बैठकर कोई समग्र रणनीति बनानी चाहिए । जहाँ तक उत्तर प्रदेश का सवाल है, तो मैं कहना चाहता हूँ कि जब बाढ़ आती है, तो वह अपने साथ सिर्फ बाढ़ का पानी ही नहीं लाती है, बल्कि तबाही लेकर आती है, बीमारियाँ लेकर आती है, कटान लेकर आती है । बाढ़ से जो क्षेत्र प्रभावित हैं, वहाँ का जन-जीवन हर साल शुरू होता है और हर साल नये सिरे से जिंदगी व्यवस्थित होती है । इसलिए मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूँ कि मुआवज़े की राशि बढ़ाई जाए । बीमारियों के लिए दवाइयों का इंतजाम कराया जाए । बाढ़ राहत सामग्री के नाम पर आम जन-जीवन का केवल मजाक न बनाया जाए, बल्कि उनको पर्याप्त सामग्री मुहैया करायी जाए ।

आपने मुझे इस विषय पर बोलने का मौका दिया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद ।